

प्रेषक,

डा० हेमलता ठोंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 10 नवम्बर, 2008

विषय: राज्य के दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों के औद्योगिक विकास अन्तर्गत विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन योजना हेतु धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 372/उ0नि0/(दो)-22/2008-00 दिनांक 21 अप्रैल 2008 के क्रम में मुझे यह जाने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु उद्योग विभाग के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत दूरस्थ क्षेत्रों के लिए विशेष राज्यपूजी उपायों सहायता ₹ 325.00 लाख (रु० तीन करोड़ पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपका निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संघ में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैन्युअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, के नियमों का उल्लंघन होता हो, व्यय उन्हीं मदों में किया जाये जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। उक्त धनराशि का व्यय औद्योगिक विकास अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या: 1961/VII-II/123-उद्योग/08 दिनांक 15.10.2008 को निर्गत दिशा निर्देश/नीति का अनुपालन किया जायेगा।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक: 31.03.2009 तक उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि का मदवार विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। व्यय के पश्चात यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2009 तक शासन को समर्पित की जायेगी।

4- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी0एम0-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह को व्यय का विवरण उक्त अधिकारी के द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैन्युअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्था अनुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 21 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त

विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है ॥ उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा० मुख्य मंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

5- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक, 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 102-लघु उद्योग, 23-दूरस्थ क्षेत्रों के लिये विशेष राज्यपूँजी उपादान सहायता-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 975/XXVII(1)/2008 दिनांक: 03 नवम्बर, 2008 में प्राप्त उगकी सहनति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,


(डा० हेमलता ढांडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2013(1)/VII-II-08/08-उद्योग/05, तददिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. वरिष्ठ कौषाधिकारी/कौषाधिकारी, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. अपर सचिव नियोजन उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 7. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से


(डा० हेमलता ढांडियाल)
अपर सचिव।